

धम्मपालन गाथा

सब्ब पापस्स अकरण, कुसलस्स उपसपदा ।
सचित्तपरियोदपनं, एतं बुद्धान सासनं ॥१॥
धम्मं चरे सुचरितं, न तं दुच्चरितं चरे
धम्मचारी सुखं सेति, अस्मिं लोके परम्हिच ॥२॥
न तावता धम्मधरो, यावता बहु भासति ।
यो च अप्पम्पि सुत्वान, धम्मं कायेन पस्सति ।
स वे धम्मधरो होति, यो धम्मं नप्पमज्जति ॥३॥
नत्थि मे सरणं अज्जं, बुद्धो मे सरणं वरं ।
एतेन सच्चवज्जेन होतु मे जयमङ्गलं ॥४॥
नत्थि मे सरणं अज्जं, धम्मो मे सरणं वरं ।
एतेन सच्चवज्जेन होतु मे जयमङ्गलं ॥५॥
नत्थि मे सरणं अज्जं, संघो मे सरणं वरं ।
एतेन सच्चवज्जेन होतु मे जयमङ्गलं ॥६॥
नमो बुध्दाय
नमो धम्माय
नमो संघाय
साधु, साऽधु, साऽधु

धम्म पालन गाथा

सभी पापों का न करना, कुशल कर्मों का करना
तथा स्वयं के (अपने) मन (चित्त)

की परिशुद्धि करना, यही बुद्ध की शिक्षा है ॥१॥

सुचरित धर्म का आचरण करें, दुराचार न करें ।

धम्मचारी इस लोक और पर लोक दोनो जगह सुख
पूर्वक सोता है ॥२॥

बहुत बोलने से (कोई) धर्मधर नहीं होता, प्रत्युत जो थोडा भी सुन कर
धर्म को काय (शरीर) से साक्षात करता है और जो धर्म से असावधानी
(प्रमाद) नहीं करता, वही धर्मधर होता है ॥३॥

मेरी अन्य कोई शरण नहीं है, केवल बुद्ध ही उत्तम शरण है । इस सत्य
वचन से मेरी जय और मंगल हो ॥४॥

मेरी अन्य कोई शरण नहीं है, केवल धर्म ही उत्तम शरण है । इस सत्य
वचन से मेरी जय और मंगल हो ॥५॥

मेरी अन्य कोई शरण नहीं है, केवल संघ ही उत्तम शरण है । इस सत्य
वचन से मेरी जय और मंगल हो ॥६॥

Dhammapalam Gatha

Sabbapapassa akaranam,
Kusalassa upasampada,
Sacittapariyodapanam,
Etam Buddhana sasanam.
Dhammam care sucaritam,
Na nam duccharitam care.
Dhammacari sukham seti
Asmim loke paramhi ca.
Na tavata dhammadharo
Yavata bahu bhasati.
Yo ca appam pi sutvana
Dhammam kayena passati,
Sa ve dhammadharo
Hoti
Yo Dhammam nappamajati.

N'atthi me saranam annam
Buddho me saranam varam
Etena saccavajjena
Hotu me jayamangalam

N'atthi me saranam annam
Dhammo me saranam varam
Etena saccavajjena
Hotu me jayamangalam

N'atthi me saranam annam
Sangho me saranam varam
Etena saccavajjena
Hotu me jayamangalam

Namo Buddhaya
Namo Dharmaya
Namo Sanghaya

Sadhu. Sadhu. Sadhu.

Verses that Protect the Truth

*Not to do evil;
To cultivate the good;
To purify the mind;
This is the Teaching of the Buddhas.*

*Lead a righteous life,
Not one that is corrupt.
The righteous live happily,
Both in this world and the next.*

*He is not versed in Dhamma who merely speaks much.
He who hears
But a little (of the Teaching) but sees the Truth and observes it well
indeed, he is truly called `one versed in Dhamma'.*

*No other refuge than the Wake, Refuge supreme, is there for me.
O by the virtue of this truth,
May grace abound, and victory!*

*No other refuge than the Truth, Refuge supreme, is there for me.
O by the virtue of this truth,
May grace abound, and victory!*

*No other refuge than the Fellowship, Refuge supreme, is there for me.
O by the virtue of this truth,
May grace abound, and victory!*

*Homage to the Buddha!
Homage to the Dhamma!
Homage to the Sangha!*